गेहूं की नई किस्म PBW RS1

संदर्भ : हाल ही में लुधियाना स्थित संस्था ने गेहूं की एक नई किस्म PBW RS1 विकसित की है।

विशेषताएँ

- उल्लिखित किस्म में उच्च मात्रा में एमाइलोज स्टार्च होता है।
- इस किस्म में पाया जाने वाला प्रतिरोधी स्टार्च (आरएस) ग्लूकोज के स्तर में अचानक वृद्धि का कारण नहीं बनता है।
- उच्च एमाइलोज़ और प्रतिरोधी स्टार्च सामग्री रक्तप्रवाह में ग्लूकोज को धीमी गति से विमुक्त करता है।
- एमाइलोज़ स्टार्च का सेवन टाइप-2 मधुमेह और हृदय रोगों के जोखिम को कम करता है।
- इस किस्म के साबुत अनाज के आटे से बने भोजन में ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, जो रक्त शर्करा के स्तर में धीमी और अधिक स्थिर वृद्धि का संकेत देता है।
- पीबीडब्ल्यू आरएस1 पीले रतुआ रोग के प्रति उच्च स्तर का प्रतिरोध प्रदर्शित करता है, जिससे यह रोग के प्रति प्रतिरक्षित हो जाता है।
- वहीं भूरे रतुआ रोग के प्रति पीबीडब्ल्यू आरएस1 मध्यम स्तर का प्रतिरोध प्रदर्शित करता है, जो फंगल रोग के के प्रति भी सीमित स्तर पर सुरक्षा प्रदान करता है।

मधुमेह के प्रकार

टाइप 1 मधुमेह:

- यह ऑटोइम्यून रोग है ,जो प्रतिरक्षा प्रणाली इंसुलिन-उत्पादक कोशिकाओं पर हमला करती है।
- आमतौर पर इसका निदान बचपन या प्रारंभिक वयस्कता में किया जाता है।
- इसमें आजीवन इंसुलिन इंजेक्शन या पंप के उपयोग की आवश्यकता होती है।
- **लक्षण:** अत्यधिक प्यास, बार-बार पेशाब आना, बिना कारण वजन कम होना और थकान।
- यह पूरी तरह समाप्त नहीं किया जा सकता है क्योंकि, सटीक कारण का पता नहीं लगया जा सका है।
- प्रबंधन में रक्त शर्करा की निगरानी, संतुलित आहार, व्यायाम और इंसुलिन लेना शामिल है।

टाइप 2 मधुमेह:

- यह एक मेटाबोलिक विकार है, इसमें इंसुलिन प्रतिरोध या अपर्याप्त इंसुलिन उत्पादन होता है।
- यह मधुमेह का सबसे सामान्य रूप (90-95% मामले) है।
- यह मोटापा, गतिहीन जीवन शैली और खराब आहार से संबद्ध है।
- यह किसी भी उम्र में हो सकता है, वयस्कों में अधिक आम है।
- **लक्षण:** अधिक प्यास लगना, बार-बार पेशाब आना, थकान, धीमी गति से उपचार और संक्रमण है।
- **प्रबंधन**: यदि आवश्यक हो तो आहार, व्यायाम, वजन कम करना, दवा सहित जीवनशैली में बदलाव के साथ प्रबंधन करें।
- **रोकथाम:** संतुलित वजन, शारीरिक गतिविधि, स्वस्थ आहार के माध्यम से रोकथाम संभव है ।

ग्लाइसेमिक सूचकांक

ग्लाइसेमिक इंडेक्स (जीआई) कार्बोहाइड्रेट युक्त खाद्य पदार्थों के लिए एक रेटिंग प्रणाली है। यह दर्शाता है कि प्रत्येक भोजन आपके रक्त शर्करा (ग्लूकोज) स्तर को कितनी तेजी से प्रभावित करता है।

Glycemic Index

Low GI (<55), Medium GI (56-69) and High GI (70>)

Grains / Starchs		Vegetables		Fruits		Dairy		Proteins	
Rice Bran	27	Asparagus	15	Grapefruit	25	Low-Fat Yogurt	14	Peanuts	21
Bran Cereal	42	Broccoli	15	Apple	38	Plain Yogurt	14	Beans, Dried	40
Spaghetti	42	Celery	15	Peach	42	Whole Milk	27	Lentils	41
Corn, sweet	54	Cucumber	15	Orange	44	Soy Milk	30	Kidney Beans	41
Wild Rice	57	Lettuce	15	Grape	46	Fat-Free Milk	32	Split Peas	45
Sweet Potatoes	61	Peppers	15	Banana	54	Skim Milk	32	Lima Beans	46
White Rice	64	Spinach	15	Mango	56	Chocolate Milk	35	Chickpeas	47
Cous Cous	65	Tomatoes	15	Pineapple	66	Fruit Yogurt	36	Pinto Beans	55
Whole Wheat Bread	71	Chickpeas	33	Watermelon	72	Ice Cream	61	Black-Eyed Beans	59
Muesli	80	Cooked Carrots	39						
Baked Potatoes	85								
Oatmeal	87								
Taco Shells	97								
White Bread	100								

"एफपीओ के माध्यम से पैक्स को मजबूत करने पर मेगा कॉन्क्लेव"

संदर्भ: केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह 14 जुलाई को नई दिल्ली में "एफपीओ के माध्यम से पैक्स को मजबूत करना" मेगा कॉन्क्लेव का शुभारम्भ करेंगे।

- आगामी मेगा कॉन्क्लेव का उद्देश्य किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के माध्यम से प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) को मजबूत करने के विषय को संबोधित करना है।
- यह सम्मेलन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के "सहकार से समृद्धि" के दृष्टिकोण के अनुरूप है।
- हाल ही में सहकारी क्षेत्र में 1100 नये एफपीओ स्थापित करने का निर्णय लिया गया है।
- कॉन्क्लेव एफपीओ के एकीकरण के माध्यम से पीएसीएस की भूमिका और प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए रणनीतियों और उपायों पर चर्चा करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा।
- प्रतिभागियों में नीति निर्माता, सरकारी अधिकारी, विशेषज्ञ और सहकारी और कृषि क्षेत्रों के हितधारक शामिल होंगे।

किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ)

- एफपीओ (किसान उत्पादक संगठन) किसान-सदस्यों द्वारा नियंत्रित स्वैच्छिक संगठन हैं जो निर्णय लेने में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं।
- एफपीओ का पंजीकरण या तो कंपनी अधिनियम 2013 के अंतर्गत या राज्य सहकारी समिति अधिनियम के अंतर्गत किया जा सकता है।
- एफपीओ अपने किसान-सदस्यों, प्रतिनिधियों, प्रबंधकों और कर्मचारियों को उनके योगदान को बढ़ाने के लिए शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करते हैं।
- गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान और अन्य राज्यों में एफपीओ ने सकारात्मक परिणाम दिखाए हैं और किसानों के लिए उच्च रिटर्न हासिल किया है।
- इसका एक उदाहरण राजस्थान के पाली जिले की आदिवासी महिलाएं हैं, जिन्होंने एक उत्पादक कंपनी बनाई है और अपने कस्टर्ड सेब के लिए बेहतर कीमतें प्राप्त कर रही हैं।
- एफपीओ योजना के तहत, प्रत्येक एफपीओ (किसान उत्पादक संगठन) को 33 लाख रुपये की वित्तीय सहायता मिलती है।
- एफपीओ का समर्थन करने वाले क्लस्टर आधारित व्यावसायिक संगठन (सीबीबीओ) प्रति एफपीओ 25 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्राप्त करते हैं।

प्राथमिक कृषि सहकारी समितियाँ (पीएसीएस)

- PACS (प्राथमिक कृषि ऋण समितियाँ) ग्रामीण स्तर पर संचालित सहकारी ऋण समितियाँ हैं।
- ये राज्य स्तर पर राज्य सहकारी बैंकों (एससीबी) और जिला स्तर पर जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों (डीसीसीबी) के साथ त्रि-स्तरीय सहकारी ऋण संरचना में अंतिम कड़ी का निर्माण करती हैं।
- एससीबी से ऋण डीसीसीबी को हस्तांतरित किया जाता है, जो किसानों को ऋण सेवाएं प्रदान करने में पीएसीएस के साथ सहयोग करता है।
- विभिन्न कृषि गतिविधियों के लिए किसानों को अल्पकालिक और मध्यम अवधि के कृषि ऋण प्रदान करने में PACS (प्राथमिक कृषि ऋण समितियाँ) महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- पहला PACS (प्राथमिक कृषि ऋण समितियाँ) 1904 में स्थापित किया गया था, जो इस सहकारी ऋण प्रणाली की शुरुआत थी।

ओटीटी सेवाओं का विनियमन

संदर्भ: भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने व्हाट्सएप, ज़ूम और गूगल मीट जैसी ओवर-द-टॉप (ओटीटी) संचार सेवाओं के लिए नियामक उपायों का पता लगाने के लिए संवाद शुरू किया है।

- ड्राफ्ट टेलीकॉम बिल में लाइसेंसिंग के माध्यम से ओटीटी सेवाओं को विनियमन के तहत लाने का प्रस्ताव है।
- आईटी मंत्रालय ओटीटी सेवाओं को विनियमित करने के लिए जिम्मेदार है।
- ट्राई ने आरंभ में बाजार का पक्ष लेते हुए ओटीटी प्लेटफार्मों के लिए तत्काल नियामक हस्तक्षेप के विरुद्ध सिफारिश की थी।
- यद्यपि , ट्राई ने ओटीटी सेक्टर की निगरानी करने और उचित समय पर हस्तक्षेप करने का सुझाव दिया था ।
- दूरसंचार विभाग ने ट्राई से अपनी सिफारिशों पर पुनर्विचार करने और ओटीटी सेवाओं पर चयनित प्रतिबंध लगाने के लिए एक नियामक तंत्र का प्रस्ताव करने का अनुरोध किया था ।

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई)

- भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (TRAI) की स्थापना 1997 में दूरसंचार सेवाओं और टैरिफ निर्धारण/संशोधन को विनियमित करने के लिए संसद के एक अधिनियम के माध्यम से की गई थी।
- ट्राई का मिशन भारत में दूरसंचार के विकास को सुविधाजनक बनाना है, जिससे देश को वैश्विक सूचना समाज में एक अग्रणी खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया जा सके।
- ट्राई का लक्ष्य एक निष्पक्ष और पारदर्शी नीति वातावरण बनाना है जो प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करता है और समान अवसर सुनिश्चित करता है।
- न्यायनिर्णयन और विवाद समाधान कार्यों को संभालने के लिए दूरसंचार विवाद निपटान और अपीलीय न्यायाधिकरण (टीडीएसएटी) की स्थापना के लिए 2000 में ट्राई अधिनियम में संशोधन किया गया था।
- टीडीएसएटी लाइसेंसदाताओं, लाइसेंसधारियों, सेवा प्रदाताओं और उपभोक्ताओं के बीच विवादों को सुलझाने के साथ-साथ ट्राई के निर्देशों, निर्णयों या आदेशों के विरुद्ध अपील सुनने के लिए उत्तरदायी है।

ओटीटी सेवाएँ

- ओटीटी (ओवर-द-टॉप) सेवाएं सामग्री प्रदाता हैं जो पारंपरिक केबल या सैटेलाइट टीवी सेवाओं को दरकिनार करते हुए इंटरनेट के माध्यम से सीधे उपयोगकर्ताओं तक मीडिया पहुंच स्थापित करती हैं।
- ओटीटी प्लेटफॉर्म इंटरनेट पर वास्तविक समय में ऑडियो और वीडियो सहित डेटा प्रसारित करने के लिए स्ट्रीमिंग तकनीक का उपयोग करते हैं।
- लोकप्रिय ओटीटी सेवाओं के उदाहरणों में नेटफ्लिक्स, अमेज़ॅन प्राइम वीडियो, डिज़नी+, हुलु, यूट्यूब और स्पॉटिफ़ाइ शामिल हैं।
- ये सेवाएँ फिल्मों, टीवी शो, संगीत और पॉडकास्ट जैसी ऑन-डिमांड सामग्री की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करती हैं, जो इंटरनेट कनेक्शन के साथ कभी भी और कहीं भी पहुंच योग्य हैं।
- उपयोगकर्ता पारंपरिक टीवी सदस्यता की आवश्यकता के बिना स्मार्टफोन, टैबलेट, स्मार्ट टीवी और कंप्यूटर सहित विभिन्न उपकरणों पर सामग्री स्ट्रीम कर सकते हैं।

ड्राफ्ट टेलीकॉम बिल ओटीटी प्लेटफार्मों के लिए क्या निर्धारित करता है?

- दूरसंचार विधेयक के मसौदे में दूरसंचार सेवाओं की परिभाषा में व्हाट्सएप, सिग्नल और टेलीग्राम जैसी शीर्ष संचार सेवाओं को शामिल करने का प्रस्ताव है।
- ओटीटी सेवाओं सहित दूरसंचार सेवाओं के प्रदाता, अन्य दूरसंचार ऑपरेटरों की तरह लाइसेंसिंग व्यवस्था और समान नियमों के अधीन होंगे।
- इसका उद्देश्य नियमों और विनियमों के संदर्भ में दूरसंचार सेवा प्रदाताओं और ओटीटी ऐप्स के बीच एक समान अवसर स्थापित करना है ।
- टेलीकॉम ऑपरेटरों ने पहले तर्क दिया था कि उन्हें अपने बुनियादी ढांचे का उपयोग करके मुफ्त सेवाओं की पेशकश करने वाले ओटीटी खिलाड़ियों की तुलना में लाइसेंस और स्पेक्ट्रम के लिए अधिक लागत का सामना करना पड़ता है।
- लाइसेंस व्यवस्था में ओटीटी सेवाओं को शामिल करने का उद्देश्य इस असमानता को दूर करना है।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

11 July 2023

NEWS IN BETWEEN THE LINES

विश्व जनसंख्या दिवस 2023

संदर्भ:विश्व जनसंख्या दिवस प्रतिवर्ष 11 जुलाई को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य वैश्विक जनसंख्या वृद्धि चुनौतियों और उनके परिणामों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

2023 के लिए थीम: विश्व जनसंख्या दिवस 2023 की थीम है "लैंगिक समानता की शक्ति को उजागर करना: हमारी दुनिया की अनंत संभावनाओं को अनलॉक करने के लिए महिलाओं और लड़कियों की आवाज़ को ऊपर उठाना।"

महत्व: विश्व जनसंख्या दिवस लैंगिक असमानता, आर्थिक संकट और गरीबी जैसी वैश्विक जनसंख्या वृद्धि चुनौतियों का समाधान करता है। संयुक्त राष्ट्र का लक्ष्य समान अवसरों वाला भविष्य बनाना और सतत विकास के लक्ष्यों के साथ तालमेल बिठाना है।

शुरुआत: विश्व जनसंख्या दिवस की शुरुआत 1989 में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की गवर्निंग काउंसिल द्वारा की गई थी। यह 11 जुलाई 1987 को मनाए गए पांच अरब दिवस से प्रेरित था।

ऐतिहासिक प्रष्ठभूमि: संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1990 में संकल्प 45/216 के माध्यम से विश्व जनसंख्या दिवस मनाना जारी रखने का निर्णय लिया था।

प्रशामक देखभाल

संदर्भ: हाल ही में, भारत में गैर-संचारी रोगों के बढ़ते बोझ के जवाब में प्रशामक देखभाल को मजबूत करने की आवश्यकता बढ़ रही है।

प्रशामक देखभाल क्या है?

- प्रशामक देखभाल स्वास्थ्य देखभाल के लिए एक विशेष दृष्टिकोण है जो गंभीर बीमारियों का सामना कर रहे व्यक्तियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने पर केंद्रित है।
- इसका उद्देश्य शारीरिक, भावनात्मक, सामाजिक और आध्यात्मिक जरूरतों को पूरा करके रोगियों और उनके परिवारों को व्यापक सहायता प्रदान करना है।

भारत पर गैर-संचारी रोगों का बोझ:

- भारत विश्व की लगभग 20% आबादी का घर है, जिनमें से दो-तिहाई ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं। जीवनशैली से संबंधित गैर-संचारी रोगों, जैसे कैंसर, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और श्वसन रोगों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

प्रशामक देखभाल की उपलब्धता और पहुंच:

- भारत में प्रशामक देखभाल मुख्य रूप से शहरी क्षेत्रों में तृतीयक स्वास्थ्य सुविधाओं में उपलब्ध है।
- प्रशामक देखभाल तक पहुंच सीमित है, अनुमानित 7-10 मिलियन जरूरतमंद लोगों में से केवल 1-2% तक ही पहुंच पाती है।

एक समर्पित प्रशामक देखभाल कार्यक्रम की आवश्यकता:

- प्रशामक देखभाल के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीपीसी) की घोषणा 2012 में की गई थी लेकिन कार्यान्वयन के लिए समर्पित बजट का अभाव है।
- गैर सरकारी संगठन प्रशामक देखभाल के अंतराल में कुछ कमी करते हैं, लेकिन व्यापक कवरेज के लिए सरकारी भागीदारी और खर्च महत्वपूर्ण हैं।

ई-ट्रैक्टर और ट्रक

संदर्भ: हाल ही में, ट्यूब इन्वेस्टमेंट्स ऑफ इंडिया लिमिटेड (टीआईआई) की सहायक कंपनी टीआई क्लीन मोबिलिटी ने इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर और ट्रकों के निर्माण के लिए चेन्नई और मानेसर में उत्पादन सुविधाएं स्थापित करने की घोषणा की।

ई-ट्रैक्टर और ट्रक के बारे में:

- टीआई क्लीन मोबिलिटी भारत के चेन्नई में इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर और मानेसर में इलेक्ट्रिक ट्रकों के लिए उत्पादन सुविधाएं स्थापित कर रही है।
- बढ़ती मांग और सरकारी समर्थन से प्रेरित, इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर डीजल से चलने वाले ट्रैक्टरों के मुकाबले एक स्वच्छ विकल्प प्रदान करते हैं।
- मध्यम और भारी वाणिज्यिक वाहन क्षेत्र में इलेक्ट्रिक ट्रकों की अपार संभावनाएं हैं, जो हरित परिवहन क्षेत्र में योगदान दे रहे हैं।
- दोनों प्रौद्योगिकियाँ अभी भी विकास के प्रारंभिक चरण में हैं और वायु प्रदूषण और कार्बन उत्सर्जन को कम करने का वादा करती हैं।
- टीआई क्लीन मोबिलिटी का लक्ष्य इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) स्पेक्ट्रम में कई प्लेटफार्मों पर काम करना है और ईवी सेगमेंट में विकास के अपार अवसर देखना है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

मेजराना जीरो मोड्स

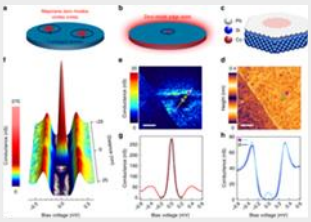

संदर्भ: हाल ही में, माइक्रोसॉफ्ट के शोधकर्ताओं ने मेजराना जीरो मोड्स नामक एक अजीब कण बनाने में एक सफलता की घोषणा की।

मेजराना जीरो मोड:

- मेजराना जीरो मोड ऐसे कण हैं जिनका उपयोग टोपोलॉजिकल क्वांटम कंप्यूटिंग में क्यूबिट के रूप में किया जा सकता है।
- ये कण गैर-एबेलियन आँकड़े प्रदर्शित करते हैं और अपने पास मौजूद जानकारी को खोने के प्रति प्रतिरोधी होते हैं।

टोपोलॉजिकल क्वांटम कंप्यूटिंग:

- मेजराना शून्य मोड टोपोलॉजिकल क्वांटम कंप्यूटिंग को सक्षम बनाता है, जो कंप्यूटिंग का एक शक्तिशाली रूप है।
- टोपोलॉजिकल क्वांटम कंप्यूटर जटिल गणनाएँ करने के लिए गैर-एबेलियन सांख्यिकी के विशिष्ट गणितीय नियमों का लाभ उठाते हैं।

लाभ:

- मेजराना जीरो मोड पारंपरिक क्यूबिट की तुलना में बढ़ी हुई कम्प्यूटेशनल मजबूती और सूचना सुरक्षा प्रदान करते हैं।
- मेजराना जीरो मोड पर आधारित क्वांटम कंप्यूटर संभावित रूप से प्रति सेकंड दस लाख क्वांटम ऑपरेशन कर सकते हैं।

कुल व्यय अनुपात

संदर्भ: हाल ही में, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) बोर्ड द्वारा विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (FPI) प्रकटीकरण मानदंडों और म्यूचुअल फंड द्वारा वसूले जाने वाले कुल व्यय अनुपात (TER) से संबंधित महत्वपूर्ण मामलों पर चर्चा होने की उम्मीद है।

कुल व्यय अनुपात क्या है?

कुल व्यय अनुपात (टीईआर) म्यूचुअल फंड की संपत्ति के उस प्रतिशत को संदर्भित करता है जो निवेशकों से खर्च के रूप में वसूला जाता है। इसमें म्यूचुअल फंड के प्रबंधन और संचालन से जुड़ी विभिन्न लागतें शामिल हैं।

गणना:

टीईआर की गणना म्यूचुअल फंड योजना द्वारा किए गए कुल खर्च को उसकी औसत शुद्ध संपत्ति से विभाजित करके की जाती है।

अवयव:

टीईआर द्वारा कवर किए गए खर्चों में बिक्री और विपणन व्यय, प्रशासनिक लागत, निवेश प्रबंधन शुल्क, ऑडिट शुल्क, रजिस्ट्रार शुल्क, लेनदेन लागत, संरक्षक शुल्क और अन्य परिचालन व्यय शामिल हैं।

महत्व: टीईआर निवेशकों के लिए एक महत्वपूर्ण मीट्रिक है क्योंकि यह सीधे निवेश पर समग्र रिटर्न को प्रभावित करता है। कम टीईआर निवेशकों के लिए कम खर्च और संभावित रूप से उच्च रिटर्न का संकेत देता है।

सेबी का प्रस्ताव:

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने योजना स्तर के बजाय परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी (एएमसी) स्तर पर टीईआर की गणना को तर्कसंगत बनाने का प्रस्ताव दिया है।

इसका उद्देश्य पारदर्शिता लाना और मापन की अर्थव्यवस्थाओं के आधार पर निवेशकों के लिए लागत कम करना है।

समाचार में स्थान

सोलोमन द्वीप

संदर्भ: हाल ही में, सोलोमन द्वीप और चीन के नेताओं ने अपने संबंधों को मजबूत करने के लिए मुलाकात की, जिससे पुलिस, आर्थिक और तकनीकी सहयोग पर समझौतों पर हस्ताक्षर हुए।

अवस्थिति:

सोलोमन द्वीप एक द्वीपसमूह है जिसमें पश्चिमी प्रशांत महासागर में स्थित द्वीपों का एक समूह शामिल है।

यह ऑस्ट्रेलिया के उत्तरपूर्व में स्थित है।

राजधानी: सोलोमन द्वीप की राजधानी होनियारा है।

भूगोल:

देश में लगभग 1,000 द्वीप शामिल हैं, जिनमें मुख्य द्वीप गुआडलकैनाल, मलाइता और चोईसेउल हैं।

इसमें पहाड़ों, वर्षावनों और मूंगा चट्टानों सहित परिदृश्यों की एक विविध श्रृंखला है।

स्वतंत्रता: सोलोमन द्वीप को 7 जुलाई, 1978 को यूनाइटेड किंगडम से स्वतंत्रता मिली।

जनसंख्या: सोलोमन द्वीप की अनुमानित जनसंख्या लगभग 700,000 है। अधिकांश जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है।

आधिकारिक भाषा: सोलोमन द्वीप की आधिकारिक भाषा अंग्रेजी है।

अर्थव्यवस्था: सोलोमन द्वीप की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि, वानिकी और मत्स्य पालन पर आधारित है। यह देश लकड़ी, मछली, ताड़ के तेल और खोपरा के निर्यात के लिए जाना जाता है।